









# 'पायलट' ने लूटी आबरू

## युवती से बनाए सम्बंध और लाखों रुपये भी ठग लिए

शाह टाइम्स व्यूरो

हल्द्वानी। फैसेस्क्रुक के चरिए एक युवक ने फैसेस्क्रुक के बाबत एक युवती से दोस्ती की ओर फैसेस्क्रुक को अपने जाल में फैसाकर शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। इन्होंने ही नहीं युवक ने युवती से 20 लाख भी ठग लिए। पीड़िता को बताया गया था कि एहसास हुआ तो उसने पुलिस से शिकायत की लिकिंग जब पुलिस से कोई मदर नहीं मिली तो उसने न्यायालय की रणनीची की ओर एहसास की बाबत जारी की थी। अनुसार मुख्यानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली पीड़िता ने न्यायालय दिल्ली न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी को दिए गए अपने

शिकायती पत्र में सिद्धार्थ ग्रोवर पुरुष दलीय (कर्तित पायलट स्पाइस जेट एयरलाइंस), दलीय, तीनीया पुरी दलीय, चौथी ग्रावर पली दलीय और मनीष पुरुष दलीय निवासीण पर असेप 7 ग्रोवर विला चंडीगढ़ पर असेप लापां हुए कहा जिसे वह गुडगांव स्टेट एक कंपनी में नौकरी की बात की थी। पीड़िता ने बताया कि 2024 में फैसेस्क्रुक के माध्यम से उसकी शिक्षार्थी नामक व्यक्ति से जान पहचान हुई, और शिक्षार्थी ने खुद को स्पाइस जेट एयरलाइंस का पायलट बताया। जिसके बाद फैसेस्क्रुक के बाबत एक युवती को बदली बढ़ गयी, और फैसेस्क्रुक को उसकी शिक्षार्थी ने बदली की थी। अनुसार मुख्यानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली पीड़िता ने न्यायालय दिल्ली न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी को दिए गए अपने

और बहन तीरीया ने फौन पर युवती के बहवालों से शादी की बात की। जिसके बाद 2 दिसंबर 2024 शादी की तारीख तय हो गई। बातवाया जा रहा था कि दोस्ती की सिद्धार्थ ने युवती को जानकारी की अनुसार प्रधारी थाना बनालपुर प्रधारी निवासील जारी की नेतृत्व में एसएस नीचे चौहान यम टीम के साथ श्वेता में गरम कर रहे थे। जैसे ही टीम रोड सेड इंसिरनेंस के द्वारा पकड़े गए सर्वोच्च अपना नाले के पास पहुंची तो एक युवक स्टेट को खाली कर रहा था। जिसके बाद यह आरोपी धमका रहे हैं। पीड़िता अपनी शिकायत लेकर पुलिस का पायलट बदली तो एक युवती को बदल दिया गया। यह आरोपी धमका रहे हैं। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास पूरे रुपये नहीं है। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास था। फैसेस्क्रुक विवाह की शरण ली। न्यायालय में आदेश के बाबत पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज कर क्षमावाही रख रही है।

### सट्टे की खाईबाड़ी एक धरा

हल्द्वानी। सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए बनभलपुरा पुलिस ने एक सार्वायोगिक प्रक्रिया किया था। जिसके पास से सट्टे की पर्यावरण व 5340 रुपये की नगदी बारामद हुई। जानकारी की अनुसार प्रधारी थाना बनालपुर प्रधारी निवासील जारी की नेतृत्व में एसएस नीचे चौहान यम टीम के साथ श्वेता में गरम कर रहे थे। जैसे ही टीम रोड सेड इंसिरनेंस के द्वारा पकड़े गए सर्वोच्च अपना नाले के पास पहुंची तो एक युवक स्टेट को खाली कर रहा था। जिसके बाद यह आरोपी धमका रहे हैं। पीड़िता अपनी शिकायत लेकिंग पुलिस ने कोई मदर नहीं होती। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास पूरे रुपये नहीं है। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास था। फैसेस्क्रुक विवाह की शरण ली। न्यायालय में आदेश के बाबत पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज कर क्षमावाही रख रही है।

## शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

■ प्रधानाचार्य पदों पर पदोन्नति और स्थानांतरण प्रक्रिया समेत कई मुद्दों पर जाताया रोष 2025 में धरना देने की ओपनी, समझौते का पालन न करने पर सरकार को घेरा

दिलवर रावत और मंत्री डॉ. बुद्धि प्रसाद भट्ट ने बताया कि पूर्व निर्धारित चाकाडाउन हड्डाल के बाद अब शिक्षकों ने बीड़ीओं का बायालीय से निवासील जारी की अनुसार प्रधारी थाना बनालपुर प्रधारी निवासील जारी की नेतृत्व में एसएस नीचे चौहान यम टीम के साथ श्वेता में गरम कर रहे थे। जैसे ही टीम रोड सेड इंसिरनेंस के द्वारा पकड़े गए सर्वोच्च अपना नाले के पास पहुंची तो एक युवक स्टेट को खाली कर रहा था। जिसके बाद यह आरोपी धमका रहे हैं। पीड़िता अपनी शिकायत लेकिंग पुलिस ने कोई मदर नहीं होती। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास पूरे रुपये नहीं है। उसने जो देकर विवाह की अपीली पास था। फैसेस्क्रुक विवाह की शरण ली। न्यायालय में आदेश के बाबत पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज कर क्षमावाही रख रही है।

जिसके बाद यह आरोपी ऑपनी अधिकारी को घेरा

जोशी ने मुख्यानी पुलिस को तहीर सौंपा हुए कहा कि दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज किया जाए।

हल्द्वानी। दोपार रोजा गया तो आदेल और तेज तेज











## अमेरिका को दो-टूक

लगता है कि अमेरिका से व्यापार को लेकर भारत का धैर्य भी दूटा जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रुस के शहर मॉस्को से सीधे यह कहकर अमेरिका को चुपौती दे डाली है कि वह किसी के दबाव में आकर किसी के साथ भी व्यापार नहीं करेंगे और अपने स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति को किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे। भारतीय विदेश मंत्री ने यह बात उस समय कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने विश्वसनीय सहयोगी सर्जियों को भारत में अमेरिका का राजदूत और दूषण व मध्य एशिया मालों के लिए विशेष दूत नमित किया है।

समझना मुश्किल है कि अखिर का अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार को लेकर किस तरह की नीति पर चल रहे हैं। वह व्यापार को भी धमकियों के सहारे चलाना चाहते हैं। वह खुलकर दूसरे देशों के मामले में सीधे हस्तक्षेप कर रहे हैं कि वह किससे व्यापार करें और किससे नहीं। भारत के मामले में तो वह ज्यादा ही मुश्किल कर्यालय कर रहे हैं और सीधे भारत को चेता। वह उसको सहन नहीं करेगा। अपनी इस धमकियों को अमल प्रोजेक्ट करने के लिए उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी लगा दिया है। हालांकि वह किसी पारे पैदों को काने की बजाए उन्हें प्रत्यारोपित कर रहा है, वहीं सत्ता-उद्योगपतियों-अफसरों और लकड़ी माफियाओं की चौकड़ी ने भयावह कटान व प्रक्रियक संसाधनों की लट मच रखी है। कोई सुनान लगा नहीं है। तो और प्राकृतिक संसाधनों की डरावनी और वहशी लूट मच हुई है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की ऐसी अमानलकारी लूट भारतीय इतिहास में पहले कभी नहीं हुई।

खैर, ये भी अपना रास्ता बनाना जानती हैं और ये संवेदनशील घरती, जिसे अपने तथाकथित लालच के लिए लगाव तबाह कर डाला, अब उसकी बारी है। इसलिए वह सब देखने के लिए तैयार रहए, जिसकी आने की कल्पना नहीं की थी। आका कोई भी कूल देता, कोई पीर, कोई मूसा, कोई भी कूल देता, कोई महाराज, कोई सरगुरु अब वह भूमि धरसकना और बड़े व्यावह भूकंपों के लिए खुद को तयार कर रहा है। ट्रम्प उस महत्व की ही कम करते दिखाई दे रहे हैं और पाकिस्तान को बढ़ावा देते दिखाई दे रहे हैं।

ट्रम्प का यह कहना भी हास्यास्पद है कि भारत रुस से जो व्यापार करता है विशेषकर तेल का, उससे वह भारी पैसे कमाता है। साथ ही रुस को भी आर्थिक रूप से मजबूत करता है। इस पर हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जिस अंदेज में अपनी बात को खाली है, उससे भी यही लगता है कि व्यापार को लेकर अमेरिका के साथ कई सहमति बनती दिखाई नहीं दे रही है। अब तो भारत ने अमेरिका से डाक सेवा भी निलंबित कर दी है। हालांकि कई परिचितीयों देशों ने यह कदम उठाया है लिकन भारत द्वारा उठाए गए कदम का अपना एक अलग महत्व है। असल में डोनाल्ड ट्रम्प अपनी ही धनक में किसी को मुनाफे के लिए तैयार नहीं है। भारत एक रणनीतिक देश अमेरिका के लिए रहा है। ट्रम्प उस महत्व की ही कम करते दिखाई दे रहे हैं और पाकिस्तान को बढ़ावा देते दिखाई दे रहे हैं।

ट्रम्प का यह कहना भी हास्यास्पद है कि भारत रुस से जो व्यापार करता है विशेषकर तेल का, उससे वह भारी पैसे कमाता है। असल में डोनाल्ड ट्रम्प अपनी ही धनक में किसी को मुनाफे के लिए तैयार नहीं है। भारत एक रणनीतिक देश अमेरिका के लिए रहा है। ट्रम्प उस महत्व की ही कम करते दिखाई दे रहे हैं और पाकिस्तान को बढ़ावा देते दिखाई दे रहे हैं। इस पर हमारे विदेश मंत्री ने यह कदम का अपना एक अलग महत्व है। असल में डोनाल्ड ट्रम्प अपनी ही धनक में किसी को मुनाफे के लिए तैयार नहीं है। भारत एक रणनीतिक देश अमेरिका के लिए रहा है। ट्रम्प उस महत्व की ही कम करते दिखाई दे रहे हैं और पाकिस्तान को बढ़ावा देते दिखाई दे रहे हैं।

## जेल गाली सरकार को याद कर रहे हैं लोग

आज दिल्ली वाले उनको जेल गाली सरकार को याद कर रहे हैं, जिसको पिछले सात महीनों में भाजपा ने दिल्ली का बुरा हाल कर दिया है, जानीतने वाले चर्च के तहत झाँटे केस में फंसाकर जेल भेजा, तो मैंने जेल भेजा, तो मैंने जेल से 160 दिन सरकार चलाई, कम से कम जेल वाली सरकार के वक्त बिजली नहीं जाती थी, पानी आता था, अस्पतालों और मोहल्ला क्लिनिक में प्रतीक्षावालों मिलती थीं, प्रतीक्षा दिल्ली का इनाम बुरा हाल नहीं होता था, प्राइवेट स्कॉलों के मनमानी और गुंदागारी करने की इजाजत नहीं थी, आप किसी पर झूटा के सलागकर उसे जेल में डाला जाए और बाद में वो लोपुमुक्त हो जाए, तो उस पर झूटा के सलागकर वाले भी को किन्तु साल के जेल हानी चाहिए।

-अरविंद केरीबाल, पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली



हि

मालय ने अपने हिसाब-किताब की फाइल खो ली है। उसने अपना हिस्सा वापस लेना शुरू कर दिया है और दूनिया में अब तक ऐसी कोई भी वैज्ञानिक व आध्यात्मिक ताकत नहीं है, जो इसे रोक ले। अब सब को चुकानी हो गयी। इसके लिए खुद को तैयार कर लीजिए। यदि रखिए नेचर यानी कि नदियों और पहाड़ों ने भी अपने नाम की रोजस्टी करा रखी है और उसका खसरा-खातीनी नेचर की तहसील में सुरक्षित है। अब इसी नेचर की तहसील ने अपनी जमीन का व्यापार निकाल लिया है।

की कीमत अप सब को चुकानी हो गयी। इसके लिए खुद को तैयार कर लीजिए। यदि रखिए नेचर यानी कि नदियों और पहाड़ों ने भी अपने नाम की रोजस्टी करा रखी है और उसका खसरा-खातीनी नेचर की तहसील में सुरक्षित है। अब इसी नेचर की तहसील ने अपनी जमीन का व्यापार निकाल लिया है।

भी भी मानव की कल्पनाओं व धर्मों के उद्देश्य से जिनता कोपोल-कल्पित पात्रों चरित्रों किस्सों कहानियों में यह ताकत नहीं है, जो इसे रोक ले। अब आप को वह सारी जग खाती करनी हो गयी और तथाकथित विकास का पालनपालन रोकना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो नेचर आपको, आपके विकास सहित, हाजारों फीट नीचे दफन कर देगी। कटते जगतों ने मैदानों इलाकों का भी चेहरा बदलना शुरू कर दिया है। परिणामस्वरूप वर्षा चक्र गर्वरे प्रभावित हुआ है।

इसके कीमत बहुत बड़ी हो गयी। यह दुमायपूर्ण है कि जब पांसों वाले तो वह ज्यादा ही मुश्किल भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जिस अंदेज में अपनी बात को खाली है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, रामेश्वरम और लकड़ी नामीन धर्मस्थल हुई हैं। सेंकड़ों लोग मारे गए हैं और यह क्रम अब साल दर साल बढ़वा रहा है। उत्तराखण्ड भी यह तबाही के मुहाने पर है, लेकिन संसाधनों की लूट और बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाकर अंतीम कीमांडी के बालों की बाजाए उत्तराखण्ड प्राकृतिक तरह रोका रहा है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की लूट भारतीय इतिहास में पहले कीमी हो गई है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, रामेश्वरम और लकड़ी नामीन धर्मस्थल हुई हैं। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग का नाम हो गया है जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के संभवत अन्य जगलों का नाम नहीं है। यह तबाही के मुहाने पर है, लेकिन संसाधनों की लूट और बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाकर अंतीम कीमांडी के बालों की बाजाए उत्तराखण्ड प्राकृतिक तरह रोका रहा है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की लूट भारतीय इतिहास में पहले कीमी हो गई है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, रामेश्वरम और लकड़ी नामीन धर्मस्थल हुई हैं। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग का नाम हो गया है जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के संभवत अन्य जगलों का नाम नहीं है। यह तबाही के मुहाने पर है, लेकिन संसाधनों की लूट और बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाकर अंतीम कीमांडी के बालों की बाजाए उत्तराखण्ड प्राकृतिक तरह रोका रहा है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की लूट भारतीय इतिहास में पहले कीमी हो गई है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, रामेश्वरम और लकड़ी नामीन धर्मस्थल हुई हैं। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग का नाम हो गया है जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के संभवत अन्य जगलों का नाम नहीं है। यह तबाही के मुहाने पर है, लेकिन संसाधनों की लूट और बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाकर अंतीम कीमांडी के बालों की बाजाए उत्तराखण्ड प्राकृतिक तरह रोका रहा है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की लूट भारतीय इतिहास में पहले कीमी हो गई है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, रामेश्वरम और लकड़ी नामीन धर्मस्थल हुई हैं। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग का नाम हो गया है जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के संभवत अन्य जगलों का नाम नहीं है। यह तबाही के मुहाने पर है, लेकिन संसाधनों की लूट और बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाकर अंतीम कीमांडी के बालों की बाजाए उत्तराखण्ड प्राकृतिक तरह रोका रहा है। लगानों की धर्म के नाम पर गाल करके प्राकृतिक नेआमतों की लूट भारतीय इतिहास में पहले कीमी हो गई है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने उत्तराखण्ड के चारों जिलों टिहरी, उत्तराकाशी, राम

